

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

महत्वपूर्ण प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने छात्रों की शिकायतों के समाधान और परिसर में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 2026

कल शाम जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के वरिष्ठ अधिकारियों की एक बैठक हुई। इसमें कुलपति प्रो. मजहर आसिफ़, रजिस्ट्रार प्रो. मो. महताब आलम रिज़वी, परीक्षा नियंत्रक प्रो. एहतेशामुल हक, विभिन्न संकायों के डीन, छात्र कल्याण डीन, शैक्षणिक मामलों के डीन, मुख्य प्रॉक्टर, सभी छात्रावासों के प्रोवोस्ट, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी और जामिया के अन्य अधिकारी शामिल हुए। इस बैठक में उन छात्रों की मांगों पर चर्चा की गई, जो भूख हड़ताल पर बैठे हैं और विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं।

बैठक में विस्तृत चर्चा के बाद, विश्वविद्यालय ने वरिष्ठ डीन और प्रोफेसर्स को मिलाकर 7 सदस्यीय एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया है। यह समिति प्रदर्शनकारी छात्रों से बातचीत करेगी, उनकी मांगों की जांच करेगी और परिसर में शांति बहाल करने तथा सामान्य स्थिति वापस लाने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी।

विश्वविद्यालय प्रशासन आपसी विश्वास और समझ के आधार पर, रचनात्मक बातचीत और विचार-विमर्श के माध्यम से इस मामले को सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रशासन प्रदर्शनकारी छात्रों और अन्य संबंधित पक्षों से भी इसी तरह के सहयोग की अपेक्षा करता है। गौरतलब है कि 2006 में जामिया मिल्लिया इस्लामिया में छात्र संघ चुनावों को भंग कर दिया गया था। उस दौरान हिंसक झड़पों, शिक्षकों पर हमलों और कक्षाओं में बार-बार व्यवधान डालने की घटनाएं सामने आई थीं। तब से लेकर अब तक, परिसर में हिंसक घटनाओं और बार-बार कामकाज ठप होने के इतिहास को देखते हुए, अदालतों ने भी विश्वविद्यालय को इस संबंध में कोई निर्देश नहीं दिया है। हाल ही में, 2022 में, माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के स्टैंडिंग काउंसिल की दलीलों और तर्कों को स्वीकार कर लिया। 2006 और उसके बाद परिसर में हुई हिंसक झड़पों के इतिहास को देखते हुए, अदालत ने विश्वविद्यालय को छात्र संघ चुनाव कराने का कोई निर्देश नहीं दिया और मामले का निपटारा कर दिया।

इसके बावजूद, अक्टूबर 2024 में कार्यभार संभालने वाला वर्तमान प्रशासन, दो दशक पुराने इस गतिरोध का कोई सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध है। यह भी उल्लेखनीय है कि जामिया मिल्लिया

इस्लामिया ने अपने सभी विभागों और केंद्रों में 'सब्जेक्ट एसोसिएशन' के चुनाव के लिए एक मजबूत और लोकतांत्रिक व्यवस्था लागू की है। इस व्यवस्था के तहत छात्र गुप्त मतदान के माध्यम से अपने-अपने विभागों और केंद्रों में तीन पदाधिकारियों—उपाध्यक्ष, महासचिव और संयुक्त सचिव—को चुनते हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह व्यवस्था छात्रों के लिए काफी मददगार साबित हुई है।

प्रशासन इस बात पर जोर देता है कि परिसर में शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए आपसी सहयोग आवश्यक है। साथ ही, यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि शैक्षणिक माहौल ऐसा हो जो सभी छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए अनुकूल और सहायक बना रहे। वर्तमान प्रशासन सभी हितधारकों और छात्रों से अपील करता है कि वे 106 साल पुराने इस विश्वविद्यालय के नाम, प्रतिष्ठा और इसकी उच्च राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग को सुरक्षित रखने की दिशा में मिलकर काम करें।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिलिया इस्लामिया